NCERT Archive

SOLUTIONS BOOK

CLASS 8

Sanskrit · Deepakam

CHAPTER 12

सम्यग्वर्णप्रयोगेण ब्रह्मलोके महीयते

Complete Exercise Solutions · सम्पूर्ण अभ्यास-समाधान

अभ्यासात् जायते सिद्धिः | परियोजनाकार्यम्

Contents

Class 8 Sanskrit · Deepakam · Chapter 12 — सम्यग्वर्णप्रयोगेण ब्रह्मलोके महीयते

EX
अभ्यासात् जायते सिद्धिः
6 questions · Q1 Q2 Q3 Q4 Q5 Q6
3

PR
परियोजनाकार्यम्
1 question · Q1
10

Every question is followed by its answer. Question numbers above are clickable and the PDF bookmarks panel lets you jump to any exercise set or question.

The word-meaning tables of the lesson (pp. 140–141) already give Hindi and English meanings; their column “मातृभाषया अर्थं लिखत” is for each student’s own mother tongue.

हिन्दी: प्रत्येक प्रश्न के बाद उसका उत्तर दिया गया है । ऊपर प्रश्न-संख्याओं पर क्लिक करके सीधे वहाँ जाया जा सकता है । पाठ की शब्दार्थ-तालिकाओं (पृ. 140–141) में हिन्दी और अंग्रेज़ी अर्थ पहले से दिए हैं; “मातृभाषया अर्थं लिखत” स्तम्भ प्रत्येक विद्यार्थी की अपनी मातृभाषा के लिए है ।

NCERT Archive

EX

CLASS 8 SANSKRIT · DEEPAKAM · CHAPTER 12

अभ्यासात् जायते सिद्धिः

Solutions · 6 questions · समाधान · ६ प्रश्न

QUESTION 1 प्रश्न 1

१. पाठे विद्यमानानां श्लोकानाम् उच्चारणं स्मरणं लेखनं च कुरुत ।

ANSWER उत्तर

श्लोक १

यदपि बहु नाधीषे तथापि पठ पुत्र व्याकरणम् ।
स्वजनः श्वजनो माभूत् सकलं शकलं सकृत् शकृत् ॥ १ ॥

Even if you do not study much, my child, do study grammar — so that "svajanaḥ" (kinsman) never becomes "śvajanaḥ" (dog), "sakalam" (whole) "śakalam" (fragment), "sakṛt" (once) "śakṛt" (faeces).

हिन्दी: पुत्र! भले ही बहुत न पढ़ो, फिर भी व्याकरण अवश्य पढ़ो, ताकि स्वजन (बन्धु) श्वजन (कुत्ता), सकल (पूरा) शकल (टुकड़ा) और सकृत् (एक बार) शकृत् (मल) न हो जाए ।

p. 138 — श्लोक १

श्लोक २

व्याघ्री यथा हरेत् पुत्रान् दंष्ट्राभ्यां न च पीडयेत् ।
भीता पतनभेदाभ्यां तद्वद् वर्णान् प्रयोजयेत् ॥ २ ॥

As a tigress carries her cubs in her fangs yet does not hurt them, fearing a fall or a wound, so should letters be pronounced — with care.

हिन्दी: जैसे बाघिन गिरने और चोट लगने के भय से बच्चों को दाँतों से उठाती है, पर उन्हें पीड़ा नहीं देती, वैसे ही वर्णों का उच्चारण करना चाहिए ।

p. 138 — श्लोक २

श्लोक ३

एवं वर्णाः प्रयोक्तव्या नाव्यक्ता न च पीडिताः ।
सम्यग्वर्णप्रयोगेण ब्रह्मलोके महीयते ॥ ३ ॥

Letters should be used neither indistinctly nor with excessive effort; by correct use of letters one is honoured in the world of Brahma.

हिन्दी: वर्ण न अस्पष्ट बोले जाएँ और न आवश्यकता से अधिक प्रयत्न से; सम्यक् वर्ण-प्रयोग से मनुष्य ब्रह्मलोक में सम्मानित होता है ।

p. 139 — श्लोक ३

NCERT Archive

श्लोक ४

माधुर्यमक्षरव्यक्तिः पदच्छेदस्तु सुस्वरः ।
धैर्यं लयसमर्थं च षडेते पाठका गुणाः ॥ ४ ॥

Sweetness, clarity of letters, proper word-breaks, a pleasant voice, courage/confidence and a sense of rhythm — these are the six qualities of a reader.

हिन्दी: मधुरता, अक्षरों की स्पष्टता, उचित स्थान पर पदच्छेद, मधुर स्वर, धैर्य (आत्मविश्वास) और लय का ज्ञान — ये पाठक के छह गुण हैं ।

p. 139 — श्लोक ४

श्लोक ५

गीती शीघ्री शिरःकम्पी तथा लिखितपाठकः ।
अनर्थज्ञोऽल्पकण्ठश्च षडेते पाठकाधमाः ॥ ५ ॥

One who sings, one who reads hastily, one who nods the head, one who reads by writing it out, one who does not know the meaning, and one with a weak voice — these six are the worst readers.

हिन्दी: गाकर पढ़ने वाला, जल्दी पढ़ने वाला, सिर हिलाकर पढ़ने वाला, लिख-लिखकर पढ़ने वाला, अर्थ न जानने वाला और धीमे स्वर वाला — ये छह अधम पाठक हैं ।

p. 140 — श्लोक ५

Practice task: recite the five verses aloud with clear, natural pronunciation (verse 3), memorise them, and then write them from memory. The verses are given above exactly as they appear in the lesson.

हिन्दी: पाँचों श्लोकों का स्पष्ट एवं स्वाभाविक उच्चारण करें, उन्हें कण्ठस्थ करें और फिर स्मरण से लिखें । श्लोक ऊपर पाठ के अनुसार ही दिए गए हैं ।

QUESTION 2 प्रश्न 2

२. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् एकपदेन उत्तराणि लिखत—

(क) पाठकाः केषां सम्यक् प्रयोगं कुर्युः ?

(ख) किम् अवश्यमेव पठनीयम् ?

(ग) ब्रह्मलोके केन सम्मानं भवति ?

(घ) अधमाः पाठकाः कति भवन्ति ?

(ङ) धैर्यं केषां गुणः ?

ANSWER उत्तर

(क) वर्णानाम्

Of the letters/sounds · वर्णों का

p. 138 — “…तद्वद् वर्णान् प्रयोजयेत् ।”

NCERT Archive

(ख) व्याकरणम्
Grammar · व्याकरण
p. 138 — "...तथापि पठ पुत्र व्याकरणम् ।"

(ग) सम्यग्वर्णप्रयोगेण
By the correct use of letters · सम्यक् वर्ण-प्रयोग से
p. 139 — "सम्यग्वर्णप्रयोगेण ब्रह्मलोके महीयते ।"

(घ) षट्
Six · छह
p. 140 — "...षडेते पाठकाधमाः ।"

(ङ) पाठकानाम्
Of readers · पाठकों का
p. 139 — "धैर्यं लयसमर्थं च षडेते पाठका गुणाः ।"

(क) वर्णानाम् · (ख) व्याकरणम् · (ग) सम्यग्वर्णप्रयोगेण · (घ) षट् · (ङ) पाठकानाम्

QUESTION 3 प्रश्न 3

३. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् पूर्णवाक्येन उत्तराणि लिखत—

(क) व्याघ्री दंष्ट्राभ्यां कान् नयति ?

(ख) वर्णाः कथं प्रयोक्तव्याः ?

(ग) पाठकानां षड्-गुणाः के भवन्ति ?

(घ) के अधमाः पाठकाः भवन्ति ?

(ङ) 'स्वजनः' 'श्वजनः' च इत्यनयोः अर्थदृष्ट्या कः भेदः ?

(च) 'सकलं' 'शकलं' च इत्यनयोः अर्थदृष्ट्या कः भेदः ?

ANSWER उत्तर

(क) व्याघ्री दंष्ट्राभ्यां पुत्रान् (स्वशिशून्) नयति ।
p. 138 (The tigress carries her cubs with her fangs.)
हिन्दी: बाघिन अपने बच्चों को दाँतों से ले जाती है ।



NCERT Archive

(ख) वर्णाः स्पष्टतया स्वाभाविकरूपेण च प्रयोक्तव्याः; न अव्यक्ताः न च पीडिताः ।

p. 139 (Letters should be pronounced clearly and naturally — neither indistinct nor over-stressed.)

हिन्दी: वर्णों का उच्चारण स्पष्ट और स्वाभाविक रूप से करना चाहिए — न अस्पष्ट और न अधिक प्रयत्न से ।

(ग) पाठकानां षड्-गुणाः माधुर्यम्, अक्षरव्यक्तिः, पदच्छेदः, सुस्वरः, धैर्यं लयसमर्थं च भवन्ति ।

p. 139 (The six qualities of readers are sweetness, clarity of letters, proper word-breaks, a pleasant voice, courage/confidence and a sense of rhythm.)

हिन्दी: पाठक के छह गुण हैं — मधुरता, अक्षर-स्पष्टता, पदच्छेद, मधुर स्वर, धैर्य और लय-सामर्थ्य ।

(घ) गीती, शीघ्री, शिरःकम्पी, लिखितपाठकः, अनर्थज्ञः अल्पकण्ठः च अधमाः पाठकाः भवन्ति ।

p. 140 (The worst readers are: the singer, the hasty reader, the head-nodder, the one who reads by writing it out, the one who does not know the meaning, and the weak-voiced one.)

हिन्दी: अधम पाठक हैं — गाकर पढ़ने वाला, जल्दी पढ़ने वाला, सिर हिलाकर पढ़ने वाला, लिख-लिखकर पढ़ने वाला, अर्थ न जानने वाला और धीमे स्वर वाला ।

(ङ) 'स्वजनः' इत्यस्य अर्थः बन्धुः अस्ति, 'श्वजनः' इत्यस्य अर्थः शुनकः (कुक्कुरः) अस्ति ।

p. 140 ("svajanaḥ" means a kinsman; "śvajanaḥ" means a dog — one wrongly pronounced letter changes the whole meaning.)

हिन्दी: 'स्वजन' का अर्थ बन्धु (अपना व्यक्ति) है, जबकि 'श्वजन' का अर्थ कुत्ता है ।

(च) 'सकलम्' इत्यस्य अर्थः सम्पूर्णम् अस्ति, 'शकलम्' इत्यस्य अर्थः खण्डम् (टुकड़ा) अस्ति ।

p. 140 ("sakalam" means entire; "śakalam" means a fragment.)

हिन्दी: 'सकल' का अर्थ पूरा है, जबकि 'शकल' का अर्थ टुकड़ा है ।

NCERT Archive

QUESTION 4 प्रश्न 4

४. अधोलिखितानि लक्षणानि पाठकस्य गुणाः वा दोषाः वा इति विभजत—

अक्षरव्यक्तिः, शीघ्री, लिखितपाठकः, लयसमर्थम्, अनर्थः, अल्पकण्ठः, माधुर्यम्, गीती, पदच्छेदः, शिरःकम्पी, अनर्थज्ञः, धैर्यम्, सुस्वरः

ANSWER उत्तर

गुणाः	दोषाः
अक्षरव्यक्तिः (यथा)	शीघ्री
माधुर्यम्	गीती
पदच्छेदः	शिरःकम्पी
सुस्वरः	लिखितपाठकः
धैर्यम्	अनर्थज्ञः (अनर्थः)
लयसमर्थम्	अल्पकण्ठः

Gunas (qualities) are from verse 4 (p. 139); doshas (faults) are from verse 5 (p. 140). The first row is the example given in the book.

"अनर्थः" in the book's list is read as the fault अनर्थज्ञः (one who does not understand the meaning), which appears in verse 5.

हिन्दी: गुण श्लोक ४ (पृ. 139) से और दोष श्लोक ५ (पृ. 140) से लिए गए हैं । पहली पंक्ति पुस्तक का उदाहरण है ।

NCERT Archive

QUESTION 5 प्रश्न 5

५. श्लोकानुसारं रिक्तस्थानानि उचितैः शब्दैः पूरयत—

(क) भीता ..... तद्वद् वर्णान् प्रयोजयेत् ।

(ख) ..... लयसमर्थं च षडेते पाठका गुणाः ।

(ग) गीती शीघ्री ..... तथा लिखितपाठकः ।

(घ) एवं वर्णाः प्रयोक्तव्या नाव्यक्ता न च ..... ।

(ङ) स्वजनः ..... माभूत् सकलं शकलं सकृत् शकृत् ।

ANSWER उत्तर

(क) भीता **पतनभेदाभ्यां** तद्वद् वर्णान् प्रयोजयेत् ।

p. 138 (Afraid of a fall and of a wound, so should one pronounce letters.)

हिन्दी: गिरने और चोट के भय से डरी हुई (बाधिन की भाँति) वर्णों का उच्चारण करे ।

(ख) **धैर्यं** लयसमर्थं च षडेते पाठका गुणाः ।

p. 139 (Courage/confidence and a sense of rhythm — these are among the six qualities of a reader.)

हिन्दी: धैर्य और लय-सामर्थ्य भी पाठक के छह गुणों में हैं ।

(ग) गीती शीघ्री **शिरःकम्पी** तथा लिखितपाठकः ।

p. 140 (The singer, the hasty reader, the head-nodder and the reader-by-writing.)

हिन्दी: गाकर पढ़ने वाला, जल्दी पढ़ने वाला, सिर हिलाने वाला तथा लिख-लिखकर पढ़ने वाला ।

(घ) एवं वर्णाः प्रयोक्तव्या नाव्यक्ता न च **पीडिताः** ।

p. 139 (Thus letters should be used neither indistinctly nor with excessive effort.)

हिन्दी: इस प्रकार वर्ण न अस्पष्ट और न अत्यधिक प्रयत्न से बोले जाएँ ।

(ङ) स्वजनः **श्वजनो** माभूत् सकलं शकलं सकृत् शकृत् ।

p. 138 (So that “svajanaḥ” does not become “śvajanaḥ”, “sakalam” “śakalam”, “sakṛt” “śakṛt”.)

हिन्दी: ताकि स्वजन श्वजन, सकल शकल और सकृत् शकृत् न हो जाए ।

(क) पतनभेदाभ्यां · (ख) धैर्यं · (ग) शिरःकम्पी · (घ) पीडिताः · (ङ) श्वजनो

NCERT Archive

QUESTION 6 प्रश्न 6

६. अधोलिखितानि वाक्यानि सत्यम् वा असत्यम् वा इति लिखत—

यथा – पदच्छेदः पाठकानां गुणः अस्ति । सत्यम् / असत्यम्

(क) गानसहितपठनं पाठकानां दोषः भवति ।

(ख) माधुर्यं नाम अक्षराणाम् उच्चारणे स्पष्टता अस्ति ।

(ग) शकृत् नाम एकवारम् इति अर्थः अस्ति ।

(घ) अव्यक्ताः वर्णाः प्रयोक्तव्याः भवन्ति ।

(ङ) व्याघ्री यथा पुत्रान् हरति तथा वर्णान् प्रयोजयेत् ।

ANSWER उत्तर

(क) **सत्यम्** — गानसहितपठनं (गीती) पाठकानां दोषः भवति ।

p. 140 (True: reading like a song — "gītī" — is a fault of a reader.)

हिन्दी: सत्य — गाकर पढ़ना (गीती) पाठक का दोष है ।

(ख) **असत्यम्** — माधुर्यं नाम मधुरभावः; अक्षराणां स्फुटतया उच्चारणं तु अक्षरव्यक्तिः ।

p. 141 (False: "mādhuryam" is sweetness; clarity of letters is "akṣaravyaktiḥ".)

हिन्दी: असत्य — माधुर्य का अर्थ मिठास है; अक्षरों की स्पष्टता को अक्षरव्यक्तिः कहते हैं ।

(ग) **असत्यम्** — शकृत् नाम मलम् (विष्ठा); 'सकृत्' इत्यस्य अर्थः एकवारम् ।

p. 140 (False: "śakṛt" means faeces; "sakṛt" means once.)

हिन्दी: असत्य — शकृत् का अर्थ मल (विष्ठा) है; 'सकृत्' का अर्थ एक बार है ।

(घ) **असत्यम्** — अव्यक्ताः वर्णाः न प्रयोक्तव्याः ।

p. 139 (False: indistinct letters should not be used.)

हिन्दी: असत्य — अस्पष्ट वर्णों का प्रयोग नहीं करना चाहिए ।

(ङ) **सत्यम्** — व्याघ्री यथा पुत्रान् हरति तथा वर्णान् प्रयोजयेत् ।

p. 138 (True: just as the tigress carries her cubs without hurting them, letters should be pronounced with care.)

हिन्दी: सत्य — जैसे बाघिन बच्चों को बिना कष्ट दिए ले जाती है, वैसे ही वर्णों का सावधानी से उच्चारण करना चाहिए ।

NCERT Archive

PR

CLASS 8 SANSKRIT · DEEPAKAM · CHAPTER 12

परियोजनाकार्यम्

Solutions · 1 question · समाधान · १ प्रश्न

QUESTION 1 प्रश्न 1

१. कक्ष्यायां श्लोकोच्चारण-प्रतियोगितां स्थापयित्वा निर्मित-सूच्यनुगुणम् उच्चारणम् अवलोकनीयम् ।

अत्र के के गुणाः दोषाः च जाताः इति अधः लिखत—

ANSWER उत्तर

How to do it: hold a shloka-recitation competition in class; while each student recites, tick the qualities (गुणाः) and faults (दोषाः) you observe, using the checklist from the lesson (verses 4 and 5).

गुणाः	दोषाः
माधुर्यम् — sweetness	गीती — reads like a song
अक्षरव्यक्तिः — clarity of letters	शीघ्री — reads hastily
पदच्छेदः — proper word-breaks	शिरःकम्पी — nods the head
सुस्वरः — pleasant voice	लिखितपाठकः — reads by writing it out
धैर्यम् — courage/confidence	अनर्थज्ञः — does not know the meaning
लयसमर्थम् — sense of rhythm	अल्पकण्ठः — weak voice

The actual entries depend on what is observed in your own class; every quality and fault named above comes from verses 4 and 5 (pp. 139–140).

हिन्दी: कक्षा में जो गुण/दोष दिखें, उन्हें लिखें; ऊपर दी गई सूची पाठ के श्लोक ४ और ५ (पृ. 139–140) पर आधारित है ।

NCERT Archive